

खबर संक्षेप



झज्जर। समाधान शिविर में आमजन की समस्याएं सुनते हुए डीसी वर्षा खांगवाल।

डीसी ने सुनी समाधान शिविर में पेंशन व पीपीपी संबंधी समस्याएं

झज्जर। सोमवार को आयोजित जिलास्तरीय समाधान शिविर में डीसी वर्षा खांगवाल ने आमजन की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित समस्याएं दर्ज की गईं। डीसी ने कहा कि नागरिकों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का तत्परता से समाधान किया जाए।

दूषित पेयजल की बोटल डीसी को दिखाई, समाधान की मांग
बहादुरगढ़। शहर के शास्त्रीनगर, दयानंद नगर, सैनीपुरा, झील मोहल्ला और कच्चा बाग कॉलोनियों में गंदे पानी की सप्लाई की समस्या को लेकर पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने सोमवार को डीसी वर्षा खांगवाल से मुलाकात की। उन्होंने डीसी को मौके से लाया गया दूषित पानी दिखाकर समस्या से अवगत कराया। बकौल सैनी, डीसी ने पब्लिक हेल्थ विभाग के एसडीई अमित श्योकंद को संबंधित कॉलोनियों में टीम भेजकर पानी की जांच कराने और सीवर-वाटर सप्लाई लाइन की मिक्सिंग की समस्या का पता लगाकर समाधान करने के निर्देश दिए। जसबीर सैनी ने कहा कि लीकेज ठीक करने के लिए बार-बार सड़कों की खुदाई की जा रही है, लेकिन सीवर के गंदे पानी और पेयजल के मिश्रण का वास्तविक कारण सामने नहीं आ रहा है। उन्होंने अधिकारियों से जमीनी स्तर पर जांच कर समस्या का समाधान करने की मांग की।

3.2 एमएम बारिश से नौसम हुआ खुशनुमा

बहादुरगढ़। इलाके में सोमवार की शाम को बूंदबांदी हुई। बूंदबांदी के बाद चली ठंडी हवाओं से मौसम खुशनुमा हो गया। वातावरण में ठंडक घुल गई और कई डिग्री तापमान नीचे चला गया। इलाके में 3.2 एमएम बारिश दर्ज की गई। दरअसल, बीते चंद दिनों से मौसम में बदलाव आया है। आसमान में लगातार बादल छा रहे हैं और बूंदबांदी भी हो रही है। इसके चलते तापमान काफी कम हुआ है। सोमवार की शाम करीब 4 बजे इलाके में बूंदबांदी हुई। देश शाम तक बरसात की संभावना बनी हुई थी।

देशभक्ति

भगत सिंह के साथी राजगुरु और सुखदेव की प्रतिमाओं का अनावरण

■ हुसैनीवाला स्थित शहीदों के समाधि स्थल से पवित्र मिट्टी लाकर शहीदों की प्रतिमाओं की रखी गई थी नींव

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर सोमवार को बालौर रोड स्थित भगत सिंह पार्क में शहीद राजगुरु और सुखदेव की प्रतिमाओं का अनावरण किया गया। भगत सिंह मैत्री संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम में हवन के साथ शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान ब्रह्मशक्ति अस्पताल की ओर से निशुल्क स्वास्थ्य

जांच शिविर भी लगाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई। कार्यक्रम में नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी, पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून की धर्मपत्नी शबनम जून और ब्रह्मशक्ति अस्पताल के निदेशक डॉ. मनीष शर्मा मुख्य अतिथि रहे। सभी अतिथियों ने हवन में आहुति देकर शहरवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। सरोज राठी ने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। शबनम जून ने कहा कि नई पीढ़ी को शहीदों के जीवन, संघर्ष और देश के लिए दिए गए बलिदान से परिचित कराना जरूरी है।

एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल विजेता शूटर सुरुचि फौगाट का जिला प्रशासन ने किया जोरदार स्वागत

सुरुचि ने दिया मंत्र-हार कर घर मत बैठो, मेहनत करके जीत दर्ज करो



झज्जर। सुरुचि को स्पোর্ट्स इक्विपमेंट प्रदान करते हुए डीसी वर्षा खांगवाल।

खांगवाल ने लघु सचिवालय सम्मानित किया। इस बीच गोल्ड मेडल विजेता सुरुचि को मुख्यमंत्री



झज्जर। जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए बोर्ड पर हस्ताक्षर करते हुए सुरुचि।

नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, खेल मंत्री गौरव

अगला लक्ष्य ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतना

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना गौरव का विषय डीसी ने सुरुचि फौगाट और उनके परिवार को बधाई देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना पूरे जिले के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि सुरुचि की उपलब्धि जिले के अन्य खिलाड़ियों, विशेषकर युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सुरुचि फौगाट ने बताया कि उनका अगला लक्ष्य ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतना है। वह इसके लिए पूरी मेहनत और लगन के साथ तैयारी करेगी। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां, पिता और पूरे परिवार के सहयोग को देते हुए उनका आभार व्यक्त किया। सुरुचि ने युवा खिलाड़ियों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि हार के बाद निराश होकर घर नहीं बैठना चाहिए, बल्कि अपनी कमियों को पहचानकर मेहनत जारी रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती और लगातार प्रयास करने से सफलता जरूर मिलती है। इस दौरान सुरुचि की माता सुदेश देवी, भाई निशांत के अलावा जिला प्रशासन की ओर से डीएसओ सतेंद्र सिंह, डीआईपीआर ओ दिनेश कुमार, कोच नवीन कुमार, साइबिलिंग कोच शर्मिला देशवाल, एथलेटिक्स कोच पवन कुमार, बॉक्सिंग कोच हितेश देशवाल सहित खेल विभाग के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

कल से दो दिन तक नर्सिंग स्टाफ काले बिल्ले लगाकर करेगा काम



हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

नर्सिंग ऑफिसर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा लंबित मांगों को सीएमओ को ज्ञापन सौंपा गया। एसोसिएशन की राज्य उपाध्यक्ष कविता गुलिया ने बताया कि बार-बार मांग करने के बावजूद उन्हें ट्रांसफर पॉलिसी से बाहर नहीं किया जा रहा। एसोसिएशन की जिला प्रधान सुमनबाला ने बताया कि इसी के चलते वे बुधवार व वीरवार को

रोजगार को लेकर युवाओं ने सौंपा ज्ञापन



झज्जर। प्रदेश में लंबित भर्तियों को पूरा करने, एजमान कैलेंडर जारी करने तथा सरकारी नौकरियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सोमवार को कॉन्ग्रेस जनता पार्टी के समर्थक एवं कार्यकर्ता लघु खिलवालय पहुंचे। उन्होंने तहसीलदार शेख नरवाल के माध्यम से उपायुक्त के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें सरकार तक पहुंचाने की अपील की। ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश के कॉमन एलिजिबिलिटी टैस्ट उत्तीर्ण बेरोजगार अत्यर्थी लंबे समय से रोजगार के अवसरों का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन पिछले दो वर्षों में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से कोई भर्ती प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो सकी है। इस कारण युवाओं में रोष व्याप्त है।

बेरी में नवरात्र मेले की तैयारियां शुरू, डीसी ने बैठक में दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

धर्मनगरी बेरी स्थित माता भीमेश्वरी देवी मंदिर में लगने वाले आश्विन शारदीय नवरात्र मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। डीसी ने वर्षा खांगवाल ने 11 अक्टूबर से लगने वाले शारदीय नवरात्र मेले के दौरान बेरी आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक प्रबंधों को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि मेला परिसर में सुरक्षा व अन्य

मूलभूत सुविधाओं को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मेला परिसर में ड्यूटी देने वाले कर्मचारियों को पहचान पत्र संबंधित विभाग द्वारा जारी किए जाएंगे। साथ ही पार्किंग, सुरक्षा, पीने के पानी, रात्रि के समय रोशनी के इंतजाम, स्वास्थ्य सुविधाएं, अस्थायी शौचालय, सीसीटीवी, माइक सर्विस व अग्निशमन सेवा को लेकर विभागीय अधिकारियों के लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

बीआरजी के धावकों ने 3 मैराथन में सफलता का परचम लहराया



बहादुरगढ़। डेथमैन रन में भाग लेने वाले बीआरजी के धावक।

■ फरीदाबाद नमो मैराथन में कृष्णा राणा ने 60 प्लस महिला वर्ग की 21 किलोमीटर दौड़ में प्रथम स्थान हासिल किया

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

बीआरजी के धावकों ने देश के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित तीन रनिंग आयोजनों में शानदार प्रदर्शन कर शहर का नाम रोशन किया। देहरादून से धनौलीटी के बीच आयोजित 75 किलोमीटर डेथमैन अल्ट्रा ट्रेल ऑब्स्टैकल रन में धावकों ने कठिन पहाड़ी ट्रेल, ऊंचाई,

मौसम और विभिन्न बाधाओं को पार करते हुए सफलतापूर्वक रेस पूरी की। साउथ दिल्ली में आयोजित अर्वाड समारोह में सभी प्रतिभागी धावकों को सम्मानित किया गया। गुलाब सिंह ने 75 किलोमीटर वर्ग में दूसरा और कर्नल कृष्ण बधवार ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं कीर्ति यादव, नीरज छिल्लर और डॉ. इमरोज को सफल फिनिशर के रूप में सम्मानित किया गया।

इसी दिन फरीदाबाद नमो मैराथन में कृष्णा राणा ने 60

प्लस महिला वर्ग की 21 किलोमीटर दौड़ में प्रथम स्थान हासिल किया और 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार जीता। बेंगलुरु मैराथन में शलभ खरे ने 10 किलोमीटर दौड़ में अपने आयु वर्ग में दूसरा स्थान प्राप्त किया। संस्थापक एवं फिट इंडिया एंबेसडर दीपक छिल्लर ने सभी धावकों को बधाई देते हुए कहा कि एक ही दिन तीन अलग-अलग आयोजनों में मिली सफलताएं प्रयासों को मजबूती देती हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से श्रमिक की मौत

झज्जर। गांव सासरोली में रात के समय घूमने निकले प्रवासी श्रमिक का शव सोमवार सुबह सड़क किनारे मिला है। मृतक की पहचान बिहार के बेगुसराय के सुजानपुर निवासी बंटी कुमार पुत्र महेंद्र के तौर पर हुई है। पुलिस को दी शिकायत में मृतक की पत्नी सुश्रू ने बताया कि उसका पति रविवार रात 11 बजे खाना खाने के बाद बाहर घूमने गया था जो सुबह तक वापस नहीं लौटा। सोमवार अलसुबह करीब साढ़े छह बजे उसके देवर मनोज ने फोन पर सूचना दी कि बंटी का एक्सीडेंट हो गया है। उसके पति का शव सड़क किनारे संतर में पड़ा हुआ था। उसे किसी तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मारी है।

जनसेवा करना भी उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का जरिया

डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ जनसेवा करना भी उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का माध्यम है। सेक्टर-6 निवासी जयपाल सांगवान ने मुख्य यजनान के रूप में हवन में भाग लिया। उन्होंने कहा कि शहीदों की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम युवाओं में देशसेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करते हैं। संस्था के अध्यक्ष प्रदीप यादव ने बताया कि करीब तीन वर्ष पहले हुसैनीवाला स्थित शहीदों के समाधि स्थल से पवित्र मिट्टी लाकर शहीदों की प्रतिमाओं की नींव रखी गई थी। प्रतिमा स्थल में हुसैनीवाला की मिट्टी का अंश भी शामिल है।



बहादुरगढ़। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि, आयोजक व शहरवासी।



स्त्री के स्वतंत्र-सशक्त अस्तित्व के समर्थक

महात्मा गांधी

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

महात्मा गांधी हमेशा समाज का उत्थान और समानता का परिवेश बनाने के इच्छुक रहे। समाज के हर नागरिक को सुरक्षा और मान, यह बात उनके विचारों में प्रमुखता से रही। यह दृष्टिकोण हर तरह से महिलाओं की बेहतरी और भागीदारी बढ़ाने से भी जुड़ा है। यही वजह है, स्त्रियों को लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचार आज के समय में भी प्रासंगिक हैं। असमानता, अस्पर्शा और हिंसा के परिवेश में न केवल महिलाओं से जुड़े उनके विचारों को समझने की दरकार है बल्कि स्वयं स्त्रियों के सशक्तिकरण में भी उनके सार्थक विचार दिशा दे सकते हैं। स्त्री मन से भाव-चाव को सम्मान देने के हिमायती बापू के सदविचारों में स्त्रियों की पीड़ा और आशाओं को भी जगह मिली है। गांधी जी का कहना था कि महिलाओं के बिना सभ्य समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह महत्वपूर्ण कथन पूरी मानवता को थामने की बुनियाद बनाने की बात लिए है।

लैंगिक भेदभाव का विरोध

महात्मा गांधी के विचार महिला-पुरुष के बीच भेदभाव के बिलकुल खिलाफ थे। वे लैंगिक भेदभाव को समाज का बंटवारा करने वाले बर्ताव की तरह देखते थे। असल में बापू सदा से ही सर्वोदय यानी समग्र विकास की सोच को लेकर आगे बढ़े। 'यूनिवर्सल अपलिफ्टमेंट' के इस विचार में पूरे समाज की उन्नति की बात की गई। उनका सभी का कल्याण और सभी की तरक्की का विचार अहम रहा। इसीलिए बापू का मानना था 'महिला और पुरुष के बीच कोई भेद नहीं समझा जाना चाहिए, वे सिर्फ शारीरिक तौर पर एक-दूसरे से भिन्न हैं।' तकलीफदेह यह है कि उनके इस विचार से आया बदलाव आज तक नाकाफी है। समाज में महिलाएं कई तरह के भेदभाव का शिकार हो रही हैं। जरूरी है कि उनके समानता को बल देने वाले इस प्रेरक विचार को समग्र समाज समझे और अपनाए। बापू के शब्दों में 'पत्नी, पति की गुलाम नहीं, बल्कि एक साथी और मददगार है, जो उसके सुख-दुःख में बराबर की भागीदार होने के साथ-साथ पति के समान ही अपने रास्ते स्वयं चुनने के लिए भी स्वतंत्र है।' हालांकि हमारे संविधान में भी महिलाओं को पुरुषों के समान ही अधिकार दिए गए हैं, लेकिन सच यह भी है कि इस दिशा में अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। घर हो या बाहर, महिलाओं को हर जगह आज भी दोयम दर्जे

पर ही रखा जाता है। बहुत-सी महिलाएं अपने मानवीय हक हासिल करने को संघर्ष कर रही हैं। स्त्री होने भर से बहुत तकलीफें उनके हिस्से हैं। जबकि महात्मा गांधी सदा से ही घर-परिवार और समाज में समानता की स्थितियां बनाने के पक्षधर रहे हैं।

हर मोर्चे पर अहम भूमिका

महात्मा गांधी ने स्त्रियों को हर मामले में सबला माना है। उनकी हिम्मत को सराहा है। इसीलिए बापू ने प्रश्न किया कि नारियों का संसार केवल घर तक ही सीमित क्यों? असल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने बरसों पहले ही रूढ़िवादी समाज में महिलाओं की घुटन को महसूस कर लिया था। स्त्रियों के मन और जीवन की बंदिशों को जान लिया था। बापू चाहते थे कि



हर स्त्री अपना जीवन संपूर्णता से जिए। बापू मानते थे कि देश के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक उत्थान में महिलाओं की अहम भूमिका है। उन्हें इस दिशा में आगे आना चाहिए। बापू ने इस बात की पुर्जोह वकालत की कि महिलाओं को सिर्फ चूल्हे-चौके तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए।

सहशिक्षा के समर्थक

महात्मा गांधी सहशिक्षा के भी समर्थक थे। उनका मानना था कि लड़के-लड़कियों को साथ पढ़ने और मिलने-जुलने का मौका देना चाहिए। वे लड़कियों को तालों में बंद रखने में विश्वास नहीं करते थे। शायद यही वजह थी कि बापू ने महिलाओं से देश के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने का भी आग्रह किया था। बापू के ये विचार इतने वर्ष बीत जाने के बाद हमें इस बात की याद दिलाते हैं कि उन्होंने हमेशा महिलाओं को असहाय की छवि से न केवल बाहर निकालने की कोशिश की बल्कि उनमें सामाजिक विषमताओं और विद्वपताओं से लड़ने की आशावादी सोच को भी काफी जागृत किया।

सलाह
चैतन्या

बीते दिनों राजधानी दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा में एक तीन साल का बच्चा प्लेट की 12वीं मंजिल की बालकनी से गिर गया। कुर्सी पर चढ़कर खेलते हुए मासूम का संतुलन बिगड़ने से यह दर्दनाक हादसा हुआ। घटना के वक्त मां उसे छोड़कर अपने दूसरे बच्चे को ट्यूशन से लेने गई थी। मां जब गई तब छोटा बच्चा घर में सो रहा था। मां के जाने के बाद बच्चा जाग गया और खेलते-खेलते बालकनी तक पहुंच गया। वहां रखी कुर्सी पर चढ़कर वह नीचे देखने लगा। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ा और यह दुःखद हादसा हुआ।

जरूरी है नेबरहुड का सहयोगी परिवेश: असल में यह दुर्घटना बीते दौर में मिलने वाले आस-पड़ोस के साझे-सहारे की याद दिलाती है। कुछ समय के लिए छोटे बच्चों को संभाल लेने वाले उस पड़ोसी परिवेश का महत्व समझाती है, जब बच्चों की परवरिश के मामले में पड़ोस की परिवार के समान ही सहायक हुआ करता था। थोड़ी-बहुत देर के लिए तो आस-पास रहने वाले बड़े-बुजुर्ग भी बच्चों की सुरक्षा के साझीदार बन जाते थे। अब रीतिते जुड़ाव को सामने रखते हादसे हमें उस सहज से सहारे से मिलने वाले खास संबल की याद दिलाते हैं। छोटे होते परिवारों के इस दौर में नेबरहुड के सहयोगी परिवेश को बनाए रखना आवश्यक है।

मेल-मिलाप बनाए रखें: सहज मेल-मिलाप के बिना आस-पड़ोस में मदद नहीं मांगी जा सकती। ना ही कोई पड़ोसी खुद मदद का हाथ आगे बढ़ा सकता है। आपसी बातचीत के बिना सहयोगी माहौल नहीं बन सकता। इसीलिए आस-पड़ोस से जुड़ाव रखने के लिए छोटी-छोटी पहल दोनों ओर से ही होनी चाहिए। मिलने पर अभिवादन करना और संवाद का सिलसिला शुरू करना

आधुनिक जीवनशैली में महानगरों में लोग आस-पड़ोस से कम वास्ता रखते हैं। समाज में इस तरह अपनेपन का रिश्ता ना होने से कई तरह के कष्टकारी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए हमें अपने आस-पड़ोस से जुड़ाव रखना चाहिए।

आस-पड़ोस का जुड़ाव है हमारे लिए बड़ा संबल



चाहिए। फोन नंबर शेयर करें। पर्व-उत्सव पर मिठाइयां बांटें। मिलकर त्योहार मनाएं। जरूरी नहीं कि आप आस-पड़ोस में बसे लोगों के हालचाल लेने का काम किसी घटना के होने या परेशानी और फंसने के बाद करें, रोजमर्रा में भी एक-दूजे के हालचाल लेते रहें। मेलजोल का यही धरातल जरूरत के समय पर मदद मांगने और करने की सहजता देता है। पड़ोसी के सहयोगी बनें: कितनी ही घटनाओं को लेकर स्पष्ट महसूस होता है कि थोड़ी-सी सहायता से मुसीबत टल सकती थी। किसी दुर्घटना से बचा जा सकता था। किसी बच्चे या बुजुर्ग के लिए सुरक्षा का धेरा बनाया जा सकता था। ध्यान रहे कि सामाजिक परिवेश में सतर्कता, सावधानी और सहयोग से ही बहुत-सी तकलीफदेह घटनाओं को रोका जा सकता है। इसीलिए आस-पड़ोस के परिवार न केवल मजबूत और सुरक्षित सामाजिक माहौल बनाएं, बल्कि संकट के समय मदद के लिए भी तैयार रहें। साझे जीवन की सामुदायिक भावना

को बल दें। नए शिफ्ट होने वाले लोगों से खुद आगे बढ़कर बात करें। उनसे बेहिचक मदद मांगने को कहें। आस-पड़ोस में आ बसे नए परिवार दें उस एरिया के बारे में जानकारी दें। मोहल्ले या सोसाइटी में उपलब्ध सुविधाओं की चर्चा करते हुए उन्हें अस्पर्शा से जुड़ी किसी बात के लिए भी सचेत करना चाहिए। औपचारिकता की अति से बचें: बदलती जीवनशैली के इस दौर में अचानक जरूरत आने पर साथ देने वाले पड़ोसियों के संग भी अब अपनापन नहीं रहा। एक समय था जब भारतीय परिवेश में पड़ोस को भी परिवार माना जाता था। बाहर जाने पर घर का ध्यान रखने, थोड़े समय के लिए बच्चे-बुजुर्ग को संभाल लेने या हारी-बोहारी में सहायता के लिए परिजनों से पहले पड़ोसी ही पहुंचते थे। अब औपचारिकता इस अपनेपन को लील गई है। ऐसे में साझे समाज में रहने-जाने की सोच को बल देना होगा। ताकि न मदद मांगने में हिचक हो न हेल्य करने में कोई संकोच।

हरिभूमि

विशेष : गांधी जयंती, 2 अक्टूबर

महात्मा गांधी का मानना था कि महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना सभ्य समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। वे सिर्फ ऐसा मानते ही नहीं थे, स्त्री-पुरुष में भेदभाव के भी विरोधी थे। उनका कहना था कि महिलाएं हर तरह के कार्य करने में सक्षम हैं। वे यह भी मानते थे कि देश-समाज को बेहतर बनाने के लिए महिलाओं को भी आगे आना होगा।

कुरीतियों के खिलाफ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचार रूढ़िवादी सोच के विरुद्ध रहे। उनका कहना था, 'केवल राजनीतिक स्वतंत्रता पर्याप्त नहीं है। सामाजिक बुराईयां और कुरीतियों से भी समाज का मुक्त होना जरूरी है।' असल में पुरातनपंथी विचार समाज में नकारात्मकता भरते हैं। सामाजिक-पारिवारिक सिस्टम को भीतर से खोखला करते हैं। खासकर महिलाओं के लिए तो रूढ़ियां, सहज जीवन में भी बाधा बन जाती हैं। ऐसे में गांधीजी का मानना था कि जब तक सामाजिक कुरीतियों का खाल्टा नहीं हो जाता, महिलाओं के जीवन में सुधार लाने के प्रयास सफल नहीं हो सकते। दहेज प्रथा को समाप्त करना ही होगा। विवाह में एकमात्र सम्मानजनक आधार परस्पर प्रेम और परस्पर स्वीकृति होती है। समाज में प्रचलित कुरीतियों के खिलाफ भी अपनी आवाज उठाई ताकि महिलाओं के शोषण को रोका जा सके। बापू बाल विवाह और पर्दा प्रथा के भी विरुद्ध रहे। विधवा पुनर्विवाह को खुलकर समर्थन दिया। उनके अनुसार 'किसी भी समाज की कुरीतियां तब तक समाप्त नहीं हो सकतीं, जब तक देश के युवा सामने न आए।' देखने में भी आया है कि बहुत से बदलाव युवाओं की प्रतिबद्धता से ही आए हैं। गांधी जी का यह भी कहना था कि स्वयं महिलाएं कुरीतियों से निजात पाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस दौर में ये विचार न केवल प्रासंगिक बल्कि व्यावहारिक भी हैं। बस जरूरत इस बात कि है, इन बुराईयों का प्रतिकार करने की क्षमता विकसित करें।

नैतिक सामर्थ्य में आगे स्त्री

महात्मा गांधी का कहना था, 'यदि शक्ति का मतलब नैतिक बल है, तो स्त्री, पुरुष से श्रेष्ठ है।' बापू का विजन मानवीय मूल्यों के मामले में बिलकुल स्पष्ट रहा। उन्होंने महिलाओं को अधिक मर्यादित और नैतिक माना। वे महिलाओं के अधिकारों के तो पैरोकार रहे ही, उनकी सार्थक अनुभूतियों की सराहना भी करते थे। महात्मा गांधी ने कहा था, 'स्त्री अहिंसा का अवतार है। जिसका अर्थ ही अगाध प्रेम और सहनशीलता है।' मां के रूप में एक स्त्री की इस क्षमता और गुणों को देखा जा सकता है। साथ ही परिवार और समाज के लिए भी महिलाओं का समर्पण कम नहीं होता। महिलाओं को जीवन की हर पवित्र एवं धार्मिक धरोहर की मुख्य संरक्षक मानने वाले महात्मा गांधी स्वयं भी उनके प्रति बहुत संवेदनशील रहे। स्वतंत्रता आंदोलन में भी महिला लीडरशिप को महत्व देने वाले बापू का मानना था कि संसार को विनाश से बचाकर सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलना है, तो महिलाओं को अपने नैतिक बल को पहचानकर समाज का नेतृत्व करना होगा।

हेयर केयर
स्नेहा सिंह

आजकल की व्यस्त जीवनशैली में प्रदूषण, धूल-मिट्टी, खान-पान और केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स के अत्यधिक उपयोग के कारण बाल कमजोर हो जाते हैं। इसके कारण बालों का झड़ना, बेजान होना, असमय सफेद होना और टैंड्रफ होना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। बालों की प्राकृतिक चमक और मजबूती वापस पाने के लिए होममेड हेयर पैक कारगर हो सकते हैं। केला-शहद का हेयर पैक: यदि आपके बाल बहुत सूखे (ड्राय), रफ और बेजान हो गए हैं, तो केला और शहद का हेयर पैक आपके लिए बहुत यूजफुल है। केले में पोटेशियम, प्राकृतिक तेल और विटामिन होते हैं, जो बालों को टूटने से रोकते हैं। जबकि शहद एक प्राकृतिक ह्यूमेक्टेंट (नमी बनाए रखने वाला) है, जो हवा से नमी को

मेडिकल एडवाइस
डॉ. विकास कटारिया
सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट
होली फैमिली स्पेशियल, दिल्ली

बदलती जीवनशैली ने पुरुषों के समान महिलाओं के लिए भी हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ा दिया है। कभी बढ़ती उम्र की महिलाओं में अधिक दिखने वाली हार्ट डिजीज अब कम उम्र में भी दस्तक दे रही है। हालांकि, जागरूकता, नियमित जांच और समय रहते जीवनशैली में बदलाव करके हृदय रोग के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। क्या है कारण: अनेहल्दी लाइफस्टाइल, अनेहल्दी फूड हैबिट्स और फैमिली हिस्ट्री इसके मूल कारण होते हैं, जिससे हाइपरटेंशन, कोलेस्ट्रॉल लेवल का बढ़ना, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज जैसी समस्याएं होती हैं। इनके अलावा महिलाओं में हृदय रोग के कुछ जोखिम कारक पुरुषों से अलग होते हैं। गर्भावस्था में होने वाली जटिलताएं जैसे-प्री-एक्लेम्पसिया, गर्भावधि मधुमेह (जेस्टेशनल डायबिटीज) और समय-पूर्व लीज गई है। ऐसे में साझे समाज में रहने-जाने की सोच को बल देना होगा। ताकि न मदद मांगने में हिचक हो न हेल्य करने में कोई संकोच।

रोहतक, मंगलवार
29 सितंबर 2026

सहेली

विशेष : अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस, 1 अक्टूबर

तकनीक आज कई बुजुर्गों के लिए अकेलेपन का साथी बन गया है। वीडियो कॉल और सोशल मीडिया उन्हें अपने से जोड़े रखते हैं, लेकिन इससे उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर भी पड़ता है। बुजुर्गों को डिजिटल सपोर्ट के साथ अपनेपन का एहसास देना भी जरूरी है।

डिजिटल सपोर्ट के साथ ही बुजुर्गों को दें अपनेपन का एहसास

दायित्व
अलका 'सोनी'

आज डिजिटल दुनिया ने हम सब के जीवन को बदल कर रख दिया है। यह बदलाव बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के जीवन में देखने को मिलता है। इसमें कोई शक नहीं कि तकनीक के इस्तेमाल ने बुजुर्गों के जीवन को पहले से कहीं अधिक आसान और अपनों से जोड़ दिया है। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से वे अपने से दूर रहने वाले परिवार से जुड़े रह सकते हैं, अपना समय भी आसानी से बिता सकते हैं। अपनों के साथ वॉयस कॉल, वीडियो कॉल, मैसेज, सब कुछ बस एक क्लिक में उन्हें मिल जाता है। देखा जाए, तो बुजुर्गों के अकेलेपन का साथी बन गया है स्मार्टफोन। लेकिन यह सुविधा धीरे-धीरे एक निर्भरता में बदलती जा रही है, जो उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर डाल रही है।

स्त्रीन का साथ पर अपनों से दूरी: वैश्विक रिपोर्ट्स के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत बुजुर्ग आज घर में अकेलेपन का अनुभव करते हैं। उनमें से 60 प्रतिशत से अधिक वरिष्ठ नागरिक प्रतिदिन 3-5 घंटे स्त्रीन पर बिताते हैं। तकनीक ने बुजुर्गों को दुनिया से दोबारा जोड़ा जरूर है, लेकिन यह एक नई तरह की 'डिजिटल दुविधा' का युग भी है, जहां साथ होते हुए भी अकेलापन गहरा होता जा रहा है, जो उन्हें कई तरह से प्रभावित करता है। अकेलेपन में तकनीक का बढ़ता सहारा: बढ़ती उम्र के साथ जब सामाजिक दायरा सीमित हो जाता है और अकेलापन बढ़ता है, तब तकनीक एक सहारा बनकर सामने आती है। जब बुजुर्गों की अपने बच्चों के साथ दूरी बढ़ जाती है, तब उनके लिए समय काटना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वे स्वाभाविक रूप से डिजिटल माध्यमों की ओर आकर्षित होते हैं। मोबाइल फोन उनके लिए न केवल समय बिताने का साधन बनता है, बल्कि एक तरह का भावनात्मक सहारा भी बन जाता है। हालांकि यह जुड़ाव अधिकतर आभासी होता है, जिसमें वास्तविक बातचीत और आत्मीयता की कमी रहती है। परिणामस्वरूप, अकेलापन कम होने के बजाय कई बार और गहरा हो जाता है।



स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव: बुजुर्गों में उम्र आधारित स्वास्थ्य समस्याएं पहले से चल रही होती हैं। फिर लगातार स्त्रीन देखने से आंखों पर दबाव बढ़ता है, जिससे सूखापन, जलन, धुंधलापन और सिरदर्द जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसके साथ ही, मोबाइल से निकलने वाली ब्लू लाइट, नींद के चक्र को प्रभावित करती है, जिससे नींद का समय और इसकी गुणवत्ता घट जाती है। मानसिक स्तर पर भी इसका असर दिखाई देता है, जैसे चिड़चिड़ापन, एकाग्रता में कमी और धीरे-धीरे सामाजिक गतिविधियों में रुचि का कम होना। संतुलित उपयोग है जरूरी: तकनीक से पूरी तरह दूरी बनाना संभव नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसका उपयोग सीमित और उद्देश्यपूर्ण हो। जिसके लिए एक नियमित दिनचर्या बनाना, स्त्रीन टाइम



तय करना, परिवार के साथ समय बिताना और ऑफलाइन गतिविधियों जैसे टहलना, पढ़ना या बागवानी में भाग लेना, इस संतुलन को बनाए रखने में सहायक हो सकता है। फेमिली मेंबर्स की भूमिका महत्वपूर्ण: परिवार के सदस्यों का फर्ज बनता है कि वे अपने बुजुर्गों को वास्तविक संवाद और साथ का अनुभव कराएं। विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीक का संतुलित उपयोग जरूरी है, अन्यथा यह बुजुर्गों के जीवन में जुड़ाव की जगह अलगाव को बढ़ा सकती है। तकनीक सुविधा का माध्यम है, जीवन का केंद्र नहीं। इसलिए आवश्यक है कि बुजुर्गों के जीवन में डिजिटल और वास्तविक दुनिया के बीच संतुलन बना रहे। यह समझना जरूरी है कि बुजुर्गों को तकनीक के सपोर्ट के साथ अपनों का समय और साथ भी चाहिए।

यूज करें ये होममेड हेयर पैक आपके बाल बनेंगे शाइनी-स्ट्रॉन्ग

सोखकर बालों में लंबे समय तक बनाए रखता है। इस पैक को बनाने के लिए एक पका हुआ केला लें और उसे चम्मच या ब्लेंडर की मदद से अच्छी तरह मैश कर लें, ताकि उसमें कोई गांठ न रहे। अब इस पेस्ट में एक बड़ी चम्मच शुद्ध शहद और एक चम्मच नारियल का तेल

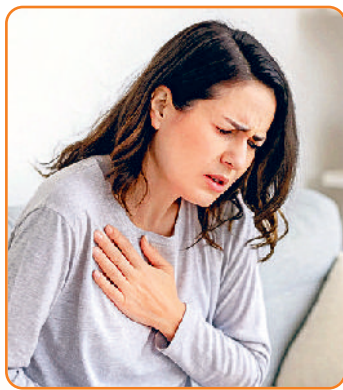


हेयर ग्रोथ बढ़ाता है। दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो सिर की त्वचा (स्केल्प) को साफ रखता है।

इस पैक को बनाने के लिए तीन बड़ी

हार्ट डिजीज का रиск सिर्फ पुरुषों या वृद्ध महिलाओं को ही नहीं होता, ऐसे में लक्षणों को पहचानना और समय रहते सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। वर्ल्ड हार्ट डे (29 सितंबर) के मौके पर हम बता रहे हैं, किस तरह आप अपने हार्ट की प्रॉपर केयर कर सकती हैं?

हेल्दी हार्ट के लिए करें रेग्युलर-प्रॉपर केयर



आर्थराइटिस जैसी ऑटोइम्यून बीमारियां भी महिलाओं में हृदय रोग का खतरा बढ़ाती हैं। मानसिक तनाव, अवसाद और घर-परिवार की देखभाल का अतिरिक्त बोझ भी महिलाओं में हृदय स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण सामाजिक-मानसिक

कारक माने गए हैं। क्या होते हैं लक्षण: महिलाओं में हार्ट अटैक होने पर केवल तेज सीने का दर्द ही दिखाई दे, यह जरूरी नहीं। महिलाओं में सांस फूलना, मितली या उल्टी, अत्यधिक थकान, पीठ या जबड़े में दर्द, अत्यधिक कमजोरी या उमड़ा पसीना आए, बेचैनी जैसे लक्षण अंधेसा/तंद्रा अधिक दिखाई दे सकते हैं। सीने के बीच में दर्द या दबाव, हाथ या कंधे में दर्द, सांस लेने में परेशानी, उठड़ा पसीना, चक्कर या बेहोशी भी चेतावनी संकेत हो सकते हैं। इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हार्ट अटैक की आशंका में तत्काल आपात चिकित्सा सहायता लेना जरूरी है। ऐसे करें हार्ट केयर: दिल को स्वस्थ रखने की शुरुआत छोटी-छोटी आदतों से होती है। परिवार को देखभाल करने वाली महिला को अपनी सेहत की देखभाल को भी उतनी ही प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि स्वस्थ दिल

चम्मच मेथी के दानों को पूरी रात पानी में भिगोकर रखें। सुबह पानी छानकर मेथी को मिक्सी में पीसकर एक चिकना (स्मूद) पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में आधा कप गाढ़ा दही मिक्स करें। इस मिश्रण को स्केल्प पर अच्छी तरह लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। आधे घंटे के बाद बालों को सामान्य पानी से धो लें। इस पैक को हफ्ते में दो बार लगाने से बालों के झड़ने की समस्या दूर होती है। आंवला-शिकाकाई और रीठा पैक: आजकल कम उम्र में बाल सफेद होने की समस्या बढ़ गई है। इसे दूर करने में यह हेयर पैक कारगर है। इसे बनाने के लिए आंवला पावडर, शिकाकाई पावडर और रीठा पावडर समान मात्रा में लोहे की कड़ाही में गुनगुने पानी के साथ मिक्स करके पेस्ट बना लें और पूरी रात लोहे के बर्तन में ही रहने दें। सुबह इसे बालों में अच्छी तरह लगाएं। 45 मिनट के बाद सादे पानी से बाल धो लें। जिस दिन पैक लगाएं, उस दिन शैपू न करें।



केवल लंबी उम्र ही नहीं, बल्कि बेहतर जीवन की नींव भी है। हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं: एक सही दिनचर्या हेल्थ की मजबूत नींव होती है। सरकेडियन रिदम का पालन करें। रात को समय पर सोएं, समय पर खाना खाएं। रेग्युलर हेल्थ चेकअप कराते रहें। संतुलित आहार का करें सेवन: अधिक नमक, चीनी और ट्रांस-फैट वाले खाद्य पदार्थों से बचें। आहार में फल, सब्जियां, साबुत अनाज, दालें और स्वस्थ वसा शामिल करें। चॉक-फॉफी का अत्यधिक सेवन और पैकेज्ड/जंक फूड हृदय पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं। इनसे बचें। तनाव प्रबंधन पर ध्यान दें: योग, ध्यान, पर्याप्त नींद और अपनों से भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखना मानसिक तनाव को कम करता है। प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ में बैलेंस बनाकर चलें।

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

विधायक वत्स ने भाजपा और मुख्य चुनाव आयुक्त पर लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगाया

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन, फूँका पुतला



झज्जर। लघुसचिवालय परिसर में प्रदर्शन करते और भाजपा एवं मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूँकते कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता।



फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बेरी से विधायक डॉक्टर रघुवीर सिंह कादियान के नेतृत्व में राव तुलाराम चौक से लघुसचिवालय

परिसर तक प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लघु सचिवालय परिसर में मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूँका और उनके इस्तीफे की

मांग की। प्रदर्शन में पूर्व शिक्षा मंत्री एवं झज्जर से विधायक गीता

भुक्कल और बादली से विधायक कुलदीप वत्स भी शामिल हुए।

विधायक डॉक्टर रघुवीर सिंह कादियान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवाज उठा रही है और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर संघर्ष जारी रखेगी। वहीं विधायक गीता भुक्कल ने कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा

नहीं होता और उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक कांग्रेस पार्टी का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। विधायक कुलदीप वत्स ने भाजपा और ज्ञानेश कुमार पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाया और उनके इस्तीफे की मांग की।

स्कूल स्तरीय मीटिंग को प्रभावशाली बनाएं: डीईओ

निपुण डैशबोर्ड आधारित आंकड़ों का प्रयोग करके बीपीआईयू एवं सीपीआईयू बैठकों के संचालन करने की चर्चा भी हुई

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर



झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित स्कूल मुखियाओं को संबोधित करते हुए विभागीय अधिकारी।

निपुण मिशन के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम क्रिया-न्वयन इकाई की बैठक सोमवार को राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जिला शिक्षा अधिकारी रतींद्र सिंह तथा प्राचार्य डाइट अनिल श्योरान के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में मेटर्स एवं मानिटर्स की विजिट अनुपालना, सावधिक

आंकलन-एक कार्यक्रम के विद्यार्थियों के प्रदर्शन का खंडवार डेटा तथा पिछले तीन-चार महीनों से जिन विद्यालयों का दौरा नहीं हुआ, उनकी जानकारी प्रमुख रूप से शामिल रही। इसके अतिरिक्त निपुण डैशबोर्ड आधारित आंकड़ों का प्रयोग करके बीपीआईयू एवं सीपीआईयू बैठकों

के संचालन करने की चर्चा भी हुई। जिला परियोजना संयोजक अनिल शर्मा ने विद्यालय भ्रमण के दौरान सावधिक आंकलन में बच्चों के प्रदर्शन के आधार पर ऐसे बच्चों पर विशेष ध्यान दें जो कक्षा की दक्षताएं प्राप्त नहीं कर पाए। जिला शिक्षा अधिकारी रतींद्र सिंह ने स्कूल मुखिया को स्कूल स्तरीय मीटिंग को

प्रभावशाली बनाने पर जोर दिया। बैठक में ये रहे मौजूद : बैठक में डिप्टी डीईओ देवेंद्र सिंह, बीईओ जयपाल दहिया, सुनीता देवी, शेर सिंह, मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी खुशी, डाइट से सुनील कुमार, भूपेंद्र रोज तथा संपर्क फाउंडेशन से अमित कुमार सहित अन्य भी मौजूद रहे।

केआर मंगलम स्कूल में विद्यार्थियों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया

यातायात नियमों के पालन के साथ डायल 112 की उपयोगिता समझाई

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़



बहादुरगढ़। विद्यार्थियों को शपथ दिलाते इंस्पेक्टर सतीश कुमार।

झज्जर पुलिस की ओर से सोमवार को केआर मंगलम स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सड़क सुरक्षा शाखा झज्जर और विद्यादान महादान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यातायात नियमों, साइबर अपराध, नशे के दुष्प्रभाव व आपातकालीन सेवाओं की जानकारी दी गई। निरीक्षक सतीश कुमार ने

सड़क पर सुरक्षित व्यवहार और यातायात नियमों के पालन के साथ डायल 112 की उपयोगिता समझाई। दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल अजय ग्रेवाल ने साइबर ठगी के तरीकों और ऑनलाइन सुरक्षा के उपाय बताए। सत्येंद्र दहिया ने नशे

के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के समापन पर स्कूल प्रिंसिपल अपना आचार्य ने पुलिस टीम को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस दौरान स्कूल स्टाफ और विद्यार्थी मौजूद रहे।

सभी नियमित, अनुबंधित, डोर-टू-डोर व पार्ट-टाइम सफाईकर्मियों और सीवरमैनो की होगी निःशुल्क जांच

■ सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग द्वारा जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को संवाद भवन से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ किया गया। जिसमें जिले के सभी ब्लॉकों व नगर पालिकाओं के अंतर्गत नजदीकी नागरिक अस्पतालों व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच की जाएगी। इस शिविर में नियमित, अनुबंध (ठेका), डोर-टू-डोर और पार्ट-



‘महिलाओं और बच्चों के कल्याण से जुड़े प्रयासों को आगे बढ़ाना जरूरी’

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़



झज्जर। शिविर में सफाई कर्मियों की जांच करते हुए चिकित्सक।

टाइम सफाई कर्मचारियों सहित सभी सीवरमैनो को कवर किया जा रहा है। आयोग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह पलाका ने सफाई कर्मचारियों को

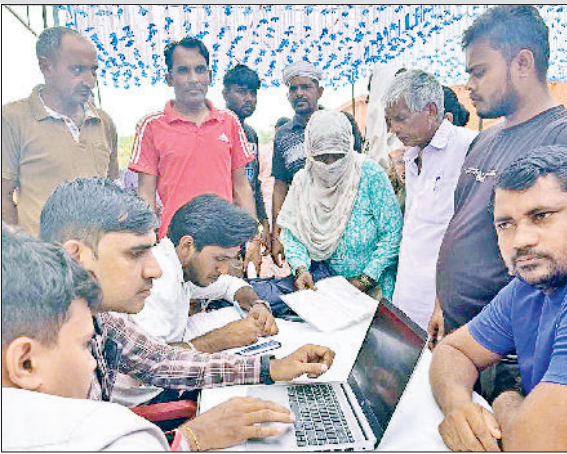
पर चर्चा की। कार्यक्रम में सुपरवाइजर सुमित्रा और ममता के अलावा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कविता, पंकी व जयवंती सहित क्षेत्र की महिलाएं मौजूद रहीं। विशाल शास्त्री ने कहा कि महिलाओं और बच्चों के कल्याण से जुड़े प्रयासों को निरंतर आगे बढ़ाना जरूरी है।

न्यूज डायरी



विद्यार्थियों को सिखाए योग के गुर

बहादुरगढ़। इरुसरेहड़ी स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में योग शिविर का आयोजन हुआ। योगाचार्य जगदीश सहवान ने विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया। योग के लाभ बताए और देशभक्ति की राह पर चलने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंसिपल मंजूबाला ने की। योगाचार्य जगदीश कुमार सहवान ने कहा कि हमें राष्ट्रभक्ति का भाव मन में सदैव स्वीपरी रखना चाहिए, क्योंकि राष्ट्र ही हमारी आन-बान-शान है। राष्ट्र ही हमारा स्वाभिमान और हमारी पहचान है। कार्यक्रम के अंत में प्रिंसिपल मंजूबाला और सरिता ने योगाचार्य जगदीश कुमार सहवान का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में सरिता, सुमन, तमन्ना, कविता आदि शिक्षक उपस्थित रहे।



स्टॉल लगाकर दी योजनाओं की जानकारी

बेरी। सेवा संकल्प अभियान के तहत नागरिकों को सरकारी सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सहज रूप से उपलब्ध करने के उद्देश्य से गांव दुजाना में सोमवार को सेवा सेतु कैम्प का आयोजन हुआ। भाजपा नेता संजय कबलाना ने सेवा सेतु कैम्प का शुभारंभ किया। कैम्प में काफी संख्या में क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त की और उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाया।



स्वच्छता को बनाएं दिनचर्या का हिस्सा : रंजन

झज्जर। पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा क्षेत्र के गांव बाघपुर में मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं एवं इच्छुक प्रतिभागियों को मशरूम उत्पादन की तकनीकी जानकारी देकर स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में जिला अग्रणी मुख्य प्रबंधक राजीव रंजन ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल प्रशिक्षुओं को मशरूम के बैग विलरित किए और प्रशिक्षण का लाभ उठाकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर वाम सरपंच सुष्मा, महेश कुमार, आशीष रोहिल्ला, आशीष शर्मा, कुसुम सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

मीड जुटना कार्यकर्ताओं की मेहनत का फल

बहादुरगढ़। पूर्व उपप्रधानमंत्री एवं इनेलो संस्थापक ताऊ देवीलाल की जयंती पर नृंह में हुई सम्मान दिवस महारेली में बहादुरगढ़ से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। महारेली की सफलता पर इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शैला नर्फे सिंह राठी ने कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि रेली में उमड़ी मीड कार्यकर्ताओं के उत्साह और मेहनत का परिणाम है। लोगों की भागीदारी ने इनेलो के प्रति जनसमर्थन को दर्शाया है। महारेली की सफलता के लिए प्रदेश का प्रत्येक कार्यकर्ता बहाई का पात्र है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भविष्य में भी इसी तरह संगठन को मजबूत करने और जगहों के मुद्दों को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया।



पूर्व विधायक ने विधायक पर लगाया आरोप

बहादुरगढ़। पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जूल ने विधायक राजेश जूल पर विकास कार्यों का श्रेय लेने की होड़ में शहर के विकास को प्रभावित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विधायक विकास की वृत्ति करने की बजाय नारियल फोड़कर नाम चमकाने में लगे हैं। विकास कार्यों का श्रेय लेने की राजनीति के कारण कई कामों में अड़चन पैदा हो रही है और इसका खामियाजा शहर की जनता को भुगतना पड़ रहा है। राजेंद्र सिंह जूल ने कहा कि जनता ने जनप्रतिनिधियों को क्षेत्र का विकास करवाने के लिए चुना है। लोगों को इस बात से कोई मतलब नहीं है कि किसी सड़क, नाली, नाली या अन्य विकास कार्य का उद्घाटन कौन करता है और नारियल कौन फोड़ता है। जनता चाहती है कि उसके क्षेत्र में विकास कार्य समय पर शुरू हों और निर्धारित समय में पूरे किए जाएं। इसलिए श्रेय लेने की होड़ से बाहर निकलकर बड़े दिल का परिचय देना चाहिए। यदि किसी विकास कार्य के लिए सरकार या नगर परिषद की ओर से बजट स्वीकृत है और कार्य शुरू होने की प्रक्रिया में है।



100 केंद्रों पर आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

स्वस्थ जीवनशैली के लिए जागरूक किया

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना और मुख्यमंत्री मातृत्व एवं शिशु कल्याण योजना की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़



बहादुरगढ़। कार्यक्रम में मौजूद आंगनवाड़ी वर्कर्स व महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

सेवा संकल्प अभियान के तहत सोमवार को बहादुरगढ़ के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर तीन दिवसीय आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। डीसी वर्षा खोवाल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं-बच्चों को पोषण, स्वस्थ खान-पान, बच्चों की वृद्धि एवं

विकास और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। महिला

एवं बाल विकास विभाग की डीपीओ नेहा दहिया ने बताया कि

ग्रामीण क्षेत्र के 144 और शहरी क्षेत्र के 100 आंगनवाड़ी केंद्रों पर आयोजित गतिविधियों में कुल 10,623 लाभार्थियों ने भाग लिया। इनमें ग्रामीण क्षेत्र से 6,048 और शहरी क्षेत्र से 4,575 लाभार्थी शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार, बच्चों के उचित पोषण तथा उनके शारीरिक और मानसिक विकास से जुड़े विषयों पर जानकारी दी गई। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना और मुख्यमंत्री मातृत्व एवं शिशु कल्याण योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

युवाओं को तनाव प्रबंधन की जानकारी दी



बहादुरगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित कोच, स्पीकर व खिलाड़ी।

फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

अहलावत बॉक्सिंग क्लब में सूर्या ग्रुप द्वारा मोटोवेशनल सेमिनार आयोजित करवाया गया। मोटोवेशनल स्पीकर प्रवीण गहलोत ने खिलाड़ियों को निरंतरता, सकारात्मक सोच, तनाव प्रबंधन आदि के विषय पर बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपनी रुचि अनुसार खेल या कोई भी क्षेत्र चुनना चाहिए।

अभिभावक व कोच को भी बच्चों पर ज्यादा दबाव नहीं देना चाहिए। अत्यधिक तनाव से बच्चे तनावग्रस्त हो जाते हैं। उन्होंने कोच संदीप के परिश्रम की सराहना की और कहा कि वे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बना रहे हैं। एकेडमी संचालक संदीप अहलावत, नायब सूबेदार एवं कोच देवेंद्र फोगाट, निखिल फोगाट, कुणाल कादियान, रवि, सौरव, प्राची, कियान, कनक, राहुल, राधिका, कुमकुम आदि इस अवसर पर उपस्थित रहे।

कुपोषण व बेहतर स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

बहादुरगढ़। वार्ड-15 स्थित कच्चा बाग के आंगनवाड़ी केंद्र संख्या-302 में सोमवार को नौवां पोषण माह मनाया। कार्यक्रम में इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शैला नर्फे सिंह राठी मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुईं। इसका उद्देश्य कुपोषण की रोकथाम और बच्चों, गर्भवती महिलाओं व माताओं को पौष्टिक आहार तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना रहा। शैला नर्फे सिंह राठी ने कहा कि बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए संतुलित आहार जरूरी है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के भोजन में पौष्टिक खाद्य पदार्थ शामिल करने का आह्वान किया।

सूचना

हम, श्री अनिल कुमार पुत्र श्री महानंद रोहिल्ला व श्रीमती सरिता रानी श्री अनिल कुमार निवासी मकान नं. 504/31, गली नं. 2, दुर्गा कालोनी बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा 124507 बयान करते हैं कि हमारी पुत्री कोमल हमारे करने-सुनने से बाहर है। इसलिए हम इसकी अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल व संबंध विच्छेद करते हैं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। हमारी व हमारे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भगत सिंह जयंती पर जगह-जगह देशभक्ति कार्यक्रम, छात्रों ने प्रस्तुतियां देकर दी श्रद्धांजलि

कहीं प्रश्नोत्तरी तो कहीं स्लोगन प्रतियोगिता, विद्यार्थियों ने भगत सिंह के विचारों को किया याद



बहादुरगढ़। अतिथियों के साथ विजेता टीमों के विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती के अवसर पर शहीद यादगार कमेटी की ओर से वैश्य महिला शिक्षण महाविद्यालय में भगत सिंह के जीवन, विचार, दर्शन और संघर्ष पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 14 टीमों ने हिस्सा लिया। महाविद्यालय के प्रधान सतनारायण अग्रवाल और कमेटी अध्यक्ष धनराज तहलान मुख्य अतिथि रहे। कमेटी के संरक्षक कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने भगत सिंह के आंसू कविता का भावपूर्ण पाठ किया। विजय मास्टर व कमेटी के महासचिव डॉ. राकेश वत्स ने प्रतियोगिता का संचालन किया। चार

राउंड में स्वतंत्रता आंदोलन, भगत सिंह के योगदान, विचारधारा और जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे गए। डीएवी स्कूल की टीम ने प्रथम, राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय रेलवे रोड ने द्वितीय तथा विजय सीनियर सेकेंडरी स्कूल की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। धीरा व हार्दिक ने देशभक्ति गीत और रीना शर्मा ने भगत सिंह पर कविता प्रस्तुत की। कमेटी के उपाध्यक्ष सतवीर दहिया, कोषाध्यक्ष सुरेश कौशिक, रूपेश, गुरमीत सिंह, राज कुमार अरोड़ा, सुरेंद्र लांबा सहित सदस्यों ने आयोजन में सहयोग किया। प्राचार्या आशा शर्मा ने कमेटी का आभार जताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया।

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में मानसी ने पाया पहला स्थान

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के इतिहास विभाग के तत्वावधान में महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को शहीद भगत सिंह के देशप्रेम, विचारों और उनके अप्रतिम बलिदान से अवगत कराना रहा। प्राध्यापक डॉक्टर जगबीर गुलिया, विनय कुमार एवं डॉक्टर राकेश कुमार ने बताया कि शहीद भगत सिंह कांतिकारी ही नहीं, बल्कि महान विचारक, लेखक और दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उनके विचार आज के दौर में भी युवाओं के लिए प्रासंगिक हैं। स्लोगन प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने भगत सिंह के जीवन, उनके कांतिकारी विचारों और मातृभूमि के प्रति उनके समर्पण पर अपने विचार व्यक्त किए। जिसमें बीए प्रथम वर्ष की मानसी ने पहला, बीए प्रथम वर्ष की संजना ने दूसरा और बीए तृतीय वर्ष की कविता एवं मानना ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।



झज्जर। होनहार प्रतिभागी महाविद्यालय स्टाफ सदस्यों के साथ।

शहीद ए आजम को किया नमन

बहादुरगढ़। सीएम विडो एमिलेंट पर्जन रामकवार सैनी ने सोमवार को अपने कार्यालय में शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। उन्होंने भगत सिंह के साहस, संघर्ष और देश के लिए दिए गए बलिदान को याद किया। रामकवार सैनी ने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव जैसे क्रांतिकारियों के त्याग ने देश की स्वतंत्रता के आंदोलन को नई दिशा दी। भगत सिंह का जीवन युवाओं को देशभक्ति, साहस और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। इस मौके पर बहादुरगढ़ मंडल महामंत्री आशु सैनी, मंडल उपाध्यक्ष रमेश आर्य व दीपक सैनी, उपाध्यक्ष राजकुमार खुजाना, शक्ति केंद्र प्रमुख विजय यादव और राय सिंह सैनी मौजूद रहे।

एचडी साल्हावास में शहीद भगत सिंह को किया याद



झज्जर। शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के उपरान्त उपस्थित निदेशक रमेश गुलिया एवं अन्य।

झज्जर। एच डी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में राष्ट्र के लिए सर्वस्व बलिदान करने वाले महान क्रांतिकारी एवं अमर शहीद भगत सिंह की जयंती श्रद्धा एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाई गई। जिसमें विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत नाटक, देशभक्ति गीत, समूह गान तथा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। एच डी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा एवं हेमंत गुलिया ने शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर मालाएं फेंकीं। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह केवल एक महान क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि युवाओं के लिए साहस, विचार और राष्ट्रनिष्ठा के प्रेरणास्रोत हैं। वहीं नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने भगत सिंह के जीवन, संघर्ष और देश की आजादी के लिए उनके बलिदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।



झज्जर। महिला थाने का निरीक्षण करते हुए हरियाणा राज्य महिला आयोग सदस्य भारती सैनी।

महिला आयोग सदस्य ने सरकारी संस्थानों का जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

सोमवार को हरियाणा राज्य महिला आयोग की सदस्य भारती सैनी ने विभिन्न सरकारी संस्थानों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने महिला एवं बाल सुरक्षा तथा सरकारी संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया तथा विद्यालय में छात्राओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके उपरान्त

उन्होंने सीपी मुख्यालय में संबंधित बैठक कर महिला सुरक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा की। दोपहर बाद उन्होंने नागरिक अस्पताल, वन स्टॉप सेंटर, महिला थाना व जिला कारागार का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से संस्थानों में महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, शिकायतों के निस्तारण तथा सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है।

अंतर महाविद्यालय महिला शतरंज में महाराजा अग्रसेन की छात्राएं रहीं द्वितीय

झज्जर। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय महिला शतरंज प्रतियोगिता में महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय की महिला शतरंज टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है। खेल विभाग प्रभारी डॉक्टर तितिक्षा रोहिल्ला ने बताया कि सीआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन रोहतक में आयोजित इस प्रतियोगिता में 11 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। विजेता टीम में बीए फाइनल की



झज्जर। शिक्षकों के साथ उपस्थित शतरंज प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं।

मुस्कान एवं ईशा, एमए प्रथम वर्ष की पुष्पा, बीए प्रथम वर्ष की मुस्कान तथा बीएससी प्रथम वर्ष की मुस्कान शामिल रहीं। इस

उपलब्धि पर प्राचार्या डॉक्टर नीलम गर्ग ने टीम खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बाबा रामदास खेल नर्सरी के खिलाड़ियों ने जीते 9 पदक



बहादुरगढ़। विजेता बच्चों के साथ संस्था अध्यक्ष व शिक्षक।

बहादुरगढ़। दसवें हरियाणा स्टेट गेम्स ऑफ द डेफ-2026 में बाबा रामदास एजुकेशनल वेल्फेयर सोसायटी के अंतर्गत संचालित हरियाणा खेल नर्सरी के दिव्यांग खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने 5 स्वर्ण और 4 रजत सहित कुल 9 पदक जीते। ताइक्वांडो में 7 और एथलेटिक्स में 2 पदक हासिल किए गए। दिव्यांशी, सागर, अनंत कादियान और रमन का चयन राष्ट्रीय खेलों के लिए हुआ है। संस्था अध्यक्ष नवीन देशवाल ने खिलाड़ियों को बधाई दी और ताइक्वांडो कोच विशाल चतुर्भुज के मार्गदर्शन की सराहना की।



155 लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

सार्थक सेवा समिति की ओर से सोमवार को लाइनपार नाहरा-नाहरी रोड स्थित वसु कांलोनी के अंबेडकर स्कूल में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन पश्चिम विहार नई दिल्ली स्थित एक्शन बालाजी अस्पताल के सहयोग से किया गया। शिविर में मेडिकल विशेषज्ञों के साथ महिला रोग विशेषज्ञ और नेत्र रोग विशेषज्ञ मौजूद रहे। चिकित्सकों ने शिविर में पहुंचे लोगों के स्वास्थ्य की जांच करते हुए बीपी, शुगर, एक्स-रे, ब्रेस्ट कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से संबंधित जांच की। शिविर में 155 महिला और पुरुषों ने शिविर का लाभ उठाया। इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को लेकर लोगों को आवश्यक परामर्श भी दिया। शिविर में पहुंचे लाभार्थियों ने निशुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सार्थक सेवा समिति और अंबेडकर स्कूल की स्कूल मैनेजमेंट कमेटी का आभार जताया।



झज्जर। शिक्षकों के साथ मंच पर उपस्थित नव प्रवेशित विद्यार्थी।

संस्कारम वेटरनरी कॉलेज में नए छात्रों का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

संस्कारम कॉलेज ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज में नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश लेने वाले प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के स्वागत एवं परिचय के लिए दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम आरंभ 2026 की शुरुआत की गई। डोल की गुंज के बीच नवप्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक और फूलमालाओं से स्वागत किया गया। वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज के डीन डॉक्टर सरवजीत ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की सकारात्मक एवं अनुशासित संस्कृति का हिस्सा बनने, शिक्षकों से सीखने तथा व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान

विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, हास्यपूर्ण नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। पशु संरक्षण पर आधारित नाटक के माध्यम से सामाजिक संवेदनशीलता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के आयोजन में अंतिम वर्ष के सौरभ, हितेश और सिमरनजीत सहित अन्य विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कॉलेज निदेशक डॉक्टर हरीश गुलाटी ने बताया कि आरंभ 2026 के अगले चरण में नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परिसर, विभिन्न विभागों एवं सुविधाओं का भ्रमण कराया जाएगा तथा आवश्यक ओरिएंटेशन और मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए जाएंगे।

आईटीआई में अंगदान की दिलाई शपथ

झज्जर। सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा मेरा योगदान मॉड्यूल के अंतर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, झज्जर व बहादुरगढ़ सहित अन्य आईटीआई परिसर में अंगदान के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य जीतपाल ने बताया कि अंगदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में नई उम्मीद जगा सकता है। समाज में अधिक लोगों को अंगदान के प्रति जागरूक करने और इस मानवीय कार्य के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने अंगदान की शपथ ली।



कॉलेज स्टाफ व छात्रों ने कराई स्वास्थ्य जांच

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

राजकीय महाविद्यालय बहादुरगढ़ में सोमवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। प्राचार्या सुमन हुड्डा व उप-प्राचार्य अमित छिकारा की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में विद्यार्थियों और स्टाफ के स्वास्थ्य की जांच की गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना, महिला प्रकोष्ठ एवं यूथ रेड क्रॉस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, सीबीसी, बीएमआई सहित विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। बहादुरगढ़ हॉस्पिटल की चिकित्सकीय टीम ने जनरल फिजिशियन डॉ. एश्वर्या व बीएमडी स्पेशलिस्ट सर्वेश के नेतृत्व में जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। एनएसएस अधिकारी



बहादुरगढ़। शिविर में स्वास्थ्य जांच कराते विद्यार्थी।

दिव्या, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. राशि रापड़िया व हीरा रापड़िया तथा वाईआरसी कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मोनिका ने व्यवस्थाओं की देखरेख की। हॉस्पिटल के रजिस्टर जनरल मैनेजर दीपक सिंह व

राहुल चौधरी का विशेष सहयोग रहा। प्राचार्या सुमन हुड्डा ने कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वस्थ जीवनशैली ने प्रति जागरूकता विद्यार्थियों के स्वस्थ एवं बेहतर भविष्य के लिए जरूरी है।

डिस्कस थो में मंदीप ने किया नेशनल के लिए क्वालीफाई



झज्जर। एलए सीनियर सेकेंडरी स्कूल के ग्यारहवीं कक्षा के छात्र मंदीप ने स्कूल गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया की डिस्कस थो प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल कर नेशनल के लिए क्वालीफाई किया है। प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि बीते 27 सितंबर को बहादुरगढ़ के टैगोर स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मंदीप ने अंडर-18 आयु वर्ग में खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। मंदीप के पिता शक्ति सिंह ने उसकी सफलता का श्रेय संस्थान के शिक्षकों व डीपीई अमित लोहवब, विशाल सिंह और महेंद्र सैनी के मार्गदर्शन को दिया है। मंदीप के स्कूल पहुंचने पर स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया, योजिता गुलिया, भविष्य दहिया, कैप्टन डागर व मुकेश शर्मा ने उसे सम्मानित करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज में उद्यमिता, तकनीकी सोच और सामाजिक समस्याओं पर मंथन

महिला कॉलेज में छात्राओं ने नवाचार से समाधान तलाशे

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

राजकीय महिला महाविद्यालय में सोमवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज का आयोजन किया गया। डीसी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन और प्राचार्या अलका गुलाटी के निदेशन में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को नवाचार, उद्यमिता और समस्या-समाधान आधारित सोच के लिए प्रेरित किया गया।

नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने कहा कि छात्राएं अपनी प्रतिभा और तकनीकी



बहादुरगढ़। कार्यक्रम में मौजूद मुख्य अतिथि, शिक्षक व विद्यार्थी।

ज्ञान का उपयोग समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए करें। उन्होंने

स्वच्छता, जल संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, पर्यावरण, डिजिटल सेवाओं और

ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में नवाचार की संभावनाओं पर जोर दिया।

नए विचारों को मिलेगा नया मंच

भाजपा नेता दिनेश शेखवत ने कहा कि प्रतियोगिता युवाओं को सामाजिक समस्याओं को समझकर उनके व्यावहारिक समाधान तलाशने का मंच देती है। उन्होंने छात्राओं से अपने नए विचारों को साकार करने का आह्वान किया। प्राचार्या अलका गुलाटी ने कहा कि महाविद्यालय छात्राओं में रचनात्मक चिंतन, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और उद्यमशीलता विकसित करने पर विशेष जोर दे रहा है। कार्यक्रम में छात्राओं ने अपने विचार और सुझाव साझा किए। जिला उद्योग केंद्र के औद्योगिक विस्तार अधिकारी मंजीत दहिया ने छात्राओं को उद्योग, स्टार्टअप और उद्यमिता से जुड़ी योजनाओं व अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में प्रोजेक्ट, मॉडल, प्रस्तुति, वीडियो, डिजाइन और शोध आधारित विचार प्रस्तुत किए जा सकते हैं। इस दौरान निर्धारित पुरस्कारों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में किसान मोर्चा अध्यक्ष राम अहलवात, पूर्व वाइस चेयरमैन पाले राम शर्मा, मंडल अध्यक्ष सुदेश रंगा, पार्षद राजेश तंवर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

बहादुरगढ़ :- सुरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़

झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर

फोन :- 8295154800, 8295738500, 8614939142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 × 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के	रु. 2500/-
10 × 8 सें.मी	अन्तर के पृष्ठ पर	रु. 3000/-

+5% GST Extra

नोट :- विशेष छूट राशि केवल उपर्युक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए काई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

झज्जर :- हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन :- 8295876400

बहादुरगढ़ :- सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900